1986 की अधिसूचना संख्या जी. एस. ब्रार. 590 की 11वी क्रम संख्या पर जल प्रवृष्ण के निवारण नथा विवेद्यण का केन्द्रीय बोर्ड के। सथरा मनोनीत करती है:--

"12. श्री जी. एव. गंकर रेस्डी सवस्य, भागन प्रवेश राज्य विकास धोई, 6-537-12, रामभगर, भगन्तपुर-5180044"

[संख्या यम्. 15014/9/83-सी.पी. इबल्यू]

जी. मृन्दरम, संयुक्त समिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

(Department of Environment, Forests & Wildlife)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August, 1988

S.O. 835 (E):—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974), the Central Government hereby nominates the following person as member of the Central Board for the prevention and Control of Water Pollution against S. No. 12 in the Notification No. GSR 590 dated the 18th July, 1986, namely:—

"12. Shri G. H. SANKARA REDDY, Member, A. P. State Development Board, 6-537-12, Ramnagar, Anantapur-515001."

[No. Q-15014|9|83-CPW]

G. SUNDARAM, Jt. Secy.



असाधारस्म EXTRAORDINARY

भाग II—सूच्य 3—उप-सूच्य (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

पाधिकार से प्रकाशिक PUBLISHED BY AUTHORITY

편. 448] No. 448] नई बिल्ली, सोमबार, सितम्बर 5, 1988/भात्रपर 14, 1910

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 5, 1988/BHADRA 14, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या **वी जाती है जिससे कि यम् अ**सम संकलम के **रूप** में रक्षा जा सके

MERCHANIST , 'Mark of the last the market of the second of

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंत्रासय

(राजस्य विभाग)

यथिपुचना

नई दिल्ली, ६ सितम्बद, 1988

का.शा. 836(प्र): -- केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (कियंक्ण) प्रक्षितियम, 1968 (1968 का 45) की बारा 109 द्वारा प्रदक्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, प्रत्येक अनुज्ञप्त व्यीहारी को इस शर्त के प्रधीन रहने हुए कि अनुज्ञप्त व्यीहारी अन्य बातों के माध-साथ प्रसंस्करण या विनिर्माण करने के विष् किसी अन्य व्यीहारी को भेषे गए स्वर्ण आपूषणों या वस्तुओं का ग्रामों में भार, दुकड़ों की संख्या और वर्णन की अधिकारिना रखने वाले स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी को अग्रिम मुखना भेषेत्रा, निर्मात के लिए आभूषणों के प्रसंस्करण या जिनिर्माण

(1)